



पाठ-तेरह

मणिपुरी साहित्य के निर्माता : महाकवि अडाइहल

गौरव, जन्मजात, प्रतिभा, आजीविका, कातिब, गाथा, साम्प्रदायिकता, संकीर्णता, कथानक, दुखान्त, अन्योक्ति, कृति, अनोखी, अभिनेता, स्वर्गवास, मरणोपरान्त, अलंकृत, कोख, धन्य।

जिस जाति का साहित्य जितना महान होता है, वह जाति भी उतनी ही महान होती है। यदि हमें किसी जाति और राष्ट्र के सच्चे गौरव को जानना है तो राजनीति और इतिहास से अधिक उसके साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। इस बात का सच्चा उदाहरण मणिपुरी भाषा का साहित्य है, जिसमें मणिपुरी समाज की वीरता, प्रेम, मानवता, त्याग, बलिदान आदि विशेषताएँ जगमगा रही हैं। इस साहित्य की रचना जिन महान लेखकों ने की, उनमें हिजम अडाइहल का स्थान बहुत ऊँचा है। वे मणिपुरी भाषा के महाकवि थे।



महाकवि अडाइहल का जन्म 28 जुलाई, 1892 ई. को मणिपुर की राजधानी इम्फाल से ९ मील दूर स्थित शामुरौ नामक गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री डुम्ब्रा सिंह और माता का नाम श्रीमती चाओबीतोन देवी था। निर्धनता के कारण वे पाँचवीं से आगे स्कूली-शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके, किन्तु उनकी जन्मजात प्रतिभा ने निर्धनता से हार नहीं मानी। वह जीवन की पाठशाला से मिली शिक्षा के बल पर विकसित होती रही। अडाइहल गाँव छोड़ कर इम्फाल आ गए। यहाँ वे “याइस्कुल हीरुहनुबा” नामक मुहल्ले में रहने लगे। आजीविका चलाने के लिए उन्होंने “चैराप-कोर्ट” में कातिब का काम शुरू किया। इसी के साथ-साथ वे साहित्य-साधना भी करते रहे।

महाकवि अडाइहल की सब से प्रसिद्ध कृति “खम्बा थोइबी शैरेइ” है। इसमें मणिपुरी संस्कृति और लोक-जीवन की अनेक विशेषताएँ प्रकट हुई हैं। खम्बा और थोइबी की गाथा तो मणिपुर के घर-घर में पहले से ही कही और सुनी जाती है, अडाइहल ने उसे साहित्यिक रचना का रूप देकर संसार भर में फैला दिया। यह मणिपुरी समाज को उनकी बहुत बड़ी देन है।

“जहेरा” अडाइहल का प्रसिद्ध उपन्यास है। इसमें बताया गया कि जातिवाद, साम्प्रदायिकता और विचारों की संकीर्णता मानव के शत्रु हैं। “जहेरा” का कथानक दुखान्त है।

“शीडेल इन्दु”, “इबेम्मा”, “पोक्तबी”, “याइथिङ्कोनु” आदि अडाइहल की अन्य प्रसिद्ध रचनाएँ हैं। अन्योक्ति शैली में रची गई उनकी एक कृति “थम्बाल” भी है। मणिपुरी गद्य में यह अपने ढंग की अनोखी रचना है।

अडाइहल बहुत अच्छे अभिनेता भी थे। इतना ही नहीं, उन्होंने “चित्रांगदा नाट्य मन्दिर” की स्थापना की थी और “मणिपुर ड्रामाटिक यूनियन (एम.डी.यू.) की स्थापना में भरपूर सहयोग किया था। उन्होंने अपने नाटकों में समाज का सच्चा चित्र प्रस्तुत किया है।

महाकवि अडाइहल का स्वर्गवास 25 अप्रैल, 1943 ई. को हुआ। “मणिपुरी साहित्य परिषद” द्वारा उन्हें मरणोपरान्त सन् 1948 में “कवि रत्न” उपाधि से अलंकृत किया गया।

महाकवि अडाइहल सच्चे अर्थों में भारत के जातीय कवियों में से एक थे। उन जैसे कवि को जन्म देकर मातृभूमि की कोख धन्य हो गई।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :

महान	=	श्रेष्ठ।
गौरव	=	महत्व, सम्मान, प्रतिष्ठा।
जन्मजात	=	जन्म के समय से, उत्पत्ति-काल से।
प्रतिभा	=	बुद्धि, विलक्षण, बौद्धिक शक्ति।

पाठशाला	=	विद्यालय, स्कूल।
आजीविका	=	रोजगार, धंधा।
कातिब	=	लिखने वाला।
कृति	=	रचना, काम।
कथानक	=	कहानी की मूल कथा-वस्तु के अतिरिक्त औरों पर भी घटित हो सके।
अनोखा	=	अनूठा, अद्भुत।
अभिनेता	=	अभिनय करने वाला, एक्टर।
स्वर्गवास	=	स्वर्ग में निवास करना, मृत्यु।
मरणोपरान्त	=	मरने के बाद।
अलंकृत	=	अलंकारयुक्त, भूषित।
कोख	=	पेट, गर्भाशय।
धन्य	=	प्रशंसनीय, कृतार्थ।

2. उत्तर दीजिए :

- (क) अडाइहल कौन थे ?
- (ख) अडाइहल का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
- (ग) अडाइहल के माता-पिता का नाम क्या था ?
- (घ) अडाइहल गाँव छोड़ कर कहाँ रहते थे ?
- (ङ) आजीविका चलाने के लिए अडाइहल ने कौन-सा काम किया था ?
- (च) अडाइहल की सब से प्रसिद्ध कृति कौन-सी है ?
- (छ) “खम्बा-थोइबी शैरेड्” को मणिपुरी समाज को अडाइहल की बहुत बड़ी देन क्यों कहा गया है ?
- (ज) “जहेरा” उपन्यास के माध्यम से अडाइहल ने क्या बताया ?
- (झ) अडाइहल की प्रसिद्ध रचनाएँ कौन-कौन सी हैं ?
- (ञ) “थम्बाल” अडाइहल की कैसी कृति है ?
- (ट) अडाइहल नाट्य से कैसे जुड़े हुए थे ?
- (ठ) अडाइहल की मृत्यु कब हुई ?

- (ड) मणिपुरी साहित्य परिषद द्वारा अडाइहल को कब किस उपाधि से अलंकृत किया गया?
- (ढ) अडाइहल के समय के कुछ साहित्यकारों के नाम बताइए।
- (ण) अडाइहल की किसी एक कृति के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

गौरव	-----
प्रतिभा	-----
आजीविका	-----
संकीर्णता	-----
कृति	-----
अनोखा	-----
मरणोपरान्त	-----
धन्य	-----
जन्मजात	-----

4. सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (X) का निशान लगाइए :

- (क) अडाइहल का जन्म इम्फाल के शामुरौ नामक गाँव में हुआ था। ☐
- (ख) अडाइहल ने पाँचवीं कक्षा तक स्कूली-शिक्षा पाई। ☐
- (ग) “खम्बा-थोइबी शैरेइ” अडाइहल की सब से प्रसिद्ध कृति है। ☐
- (घ) “थम्बाल” अन्योक्ति शैली में रची गई कृति है। ☐
- (ङ) अडाइहल ने “मणिपुर ड्रामेटिक यूनियन” की स्थापना की थी। ☐

5. तालिका को देखिए, पढ़िए और वाक्य बनाइए :

अडाइहल	मणिपुरी भाषा के महाकवि गाँव छोड़कर इम्फाल आ गए। साहित्य-साधना करते रहे। बहुत अच्छे अभिनेता भी याइस्कुल हीरुहन्बा नामक मुहल्ले में रहते	थे।
--------	--	-----

6. ध्यान से पढ़िए और समझिए :

वह बहुत मेहनत करता है, किन्तु गरीब है।
बलदेव खूब पढ़ता था, किन्तु फेल हो गया।
मैंने जेम्स को बार-बार बुलाया, किन्तु वह नहीं आया।
उसने बहुत कहा, किन्तु किसीने नहीं माना।
अब्दुल बीमार है, किन्तु किसी ने ध्यान नहीं दिया।

7. वाक्य पूरा कीजिए :

- (क) चाओबा, अच्छा आदमी है, किन्तु -----।
- (ख) इबेमचा छोटी बच्ची है, किन्तु -----।
- (ग) नैकिम सच बोलती है, किन्तु -----।
- (घ) तुम लाख समझाओ, किन्तु -----।